कक्षा छठवीं के विद्यार्थियों के हिन्दी लेखन में वर्तनी सम्बंधी अशुद्धियों का अध्ययन एवं सुझाव

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की मास्टर ऑफ एजूकेशन क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान की उपाधि की आंशिक सम्पूर्णित हेतु

लघु शोध रूपरेखा

वर्ष 2017–19

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल मध्य प्रदेश
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

निर्देशक
प्रो. आई.बी. चुगताई
अध्यक्ष शिक्षा विभाग एवं अधिष्ठाता

D - 672

शोधार्थी
रिजवाना खान
एम.एड.

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली)

घोषणा – पत्र

मैं रिज़वाना खान, एम.एड. की छात्रा, यह घोषणा करती हूँ, कि "कक्षा छठवीं के विधार्थियों के हिंदी लेखन मे वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियों का अध्ययन एवं सुझाव "नामक विषय पर लघु शोध प्रबंध, (2017–19) मेरे द्वारा, प्रो.आई.बी. चुगताई, प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.) के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पूरा किया है।

यह लघु शोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड (आर.आई.ई.) 2017–19 की उपाधि की परीक्षा के आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा हैं। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध हेतु लिये गये आंकड़े एवम सूचनायें विश्वसनीय स्रोतों तथा मूल स्थान से प्राप्त किये गए है, तथा यह प्रयास पूर्णतः मौलिक और सत्य है।

स्थान – भोपाल

दिनांक : 26–06–2019

शोधार्थी

रिज़वाना खान

एम.एड. (आर.आई.ई.)

क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान

भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है की रिज़वाना खान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में एम. एड. की नियमित छात्रा है। रिज़वाना खान ने एम. एड. में स्नातकोत्तर उपाधी, प्राप्त करने हेतु लघु शोध प्रबंध "कक्षा छठवी के विधार्थियों के हिंदी लेखन मे वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियों का अध्ययन एवं सुझाव" मेरे मार्गदर्शन में विधिवत पूर्ण किया है। प्रस्तुत शोध कार्य मौलिक है, जिसे मेहनत ईमानदारी, तथा पूर्ण निष्ठा से किया गया है, एवं पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नही किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल की सत्र 2017–19 की एम.एड. शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि, परीक्षा की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत करने में उपयुक्त तथा सक्षम है।

स्थान – भोपाल

दिनांक : 26–06–2019

निर्देशक

प्रो. आई.बी. चुगताई

क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध "'कक्षा छठवी के विधार्थियों के हिंदी लेखन मे वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियों का अध्ययन एवं सुझाव" की पूर्णता का श्रेय मेरे मार्गदर्शक आदरणीय प्रो.आई.बी. चुगताई, प्राध्यापक एवं अध्यक्ष अधिष्ठाता क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल को जाता है। जिनके मार्गदर्शन, निर्देशन, प्रोत्साहन, परामर्श और समयबद्धत्ता ने इस कार्य को पूरा करने हेतु सहयोग प्रदान किया। प्रस्तुत शोध प्रबंध आपके द्वारा शोध कार्य में धैर्य पूर्वक प्रदान आत्मीय व्यवहार एवं विश्वास, सहयोग का प्रतिफल है। जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में समय दिया है, अतः मैं उनकी ऋणी हूँ।

मैं आदरणीय प्राचार्य प्रो. नित्यानंद प्रधान, प्रो.रत्नमाला आर्य, प्रो.रमेश बाबू, डॉ.एन. सी. ओझा, डॉ. सौरभ सर, एवं मैं अपने मित्र निधि शर्मा, माधुरी देवी, खुशी साहा समस्त मित्रो का आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने समय–समय पर उचित मार्गदर्शन व प्रोत्साहन के द्वारा मेरे शोध कार्य को पूर्ण करने में सहयोग दिया है।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष, आई.सी.टी., एवं आई.टी. संचालक व समस्त सहपाठियों का हृदय से आभार प्रकट करती हूँ।

स्थान – भोपाल

दिनांक : 26–06–2019

शोधार्थी

रिज़वाना खान

एम.एड. (आर.आई.ई.)

क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान

भोपाल (म.प्र.)

अनुक्रमणिका

अध्याय	विवरण	पृष्ठ क्रं.
–	घोषणा पत्र	I
–	प्रमाण–पत्र	II
–	आभार–ज्ञापन	III
–	विषय सूची	
प्रथम अध्याय		01–13

1.1 प्रस्तावना –

- ❖ भाषा की परिभाषा
- ❖ अशुद्धियों का स्वरूप
- ❖ भाषा के कौशल
- ❖ लेखन कौशल
- ❖ शुद्ध वर्तनी तथा उसका महत्व
- ❖ प्राथमिक स्तर पर भाषा के कौशलों का महत्व
- ❖ हिन्दी का स्वरूप
- ❖ हिन्दी भाषा का शिक्षा पाद्यक्रम में स्थान
- ❖ हिन्दी भाषा के उद्देश्य

1.2 शोध अध्ययन की आवश्यकता
1.3 समस्या का कथन
1.4 समस्या कथन में प्रयुक्त परिभाषा
1.5 शोध अध्ययन के उद्देश्य
1.6 समस्या का सीमांकन
1.7 सारांश

द्वितीय अध्याय 14–20

2.1 प्रस्तावना
2.2 शोध साहित्य के अवलोकन का महत्व
2.3 समस्या से संबंधित पूर्व किये गये शोध अध्ययन का विवरण
2.4 सारांश

तृतीय अध्याय 21—25

3.1 प्रस्तावना

3.2 शोध प्रविधि

3.3 शोध प्रक्रिया में प्रयुक्त चर

3.4 न्यादर्श का चयन

3.5 उपकरण का निर्माण

3.6 परीक्षण का प्रशासन

3.7 प्रयुक्त सांख्यिकी

चतुर्थ अध्याय 26—28

4.1 प्रस्तावना

4.2 प्रदत्तों का विश्लेशण

- o उद्देश्य एक के अनुसार
- o लेखन की अशुद्धियों के कारणों का अध्ययन

पंचम अध्याय 29—33

5.1 प्रस्तावना

5.2 समस्या कथन

5.3 शोधकार्य के उद्देश्य

5.4 उपकरण और विधि

5.5 निष्कर्ष

5.6 सुझाव

I सन्दर्भ ग्रथं सूची

II परिशिष्ट